आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 14.02.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :—

- 38वें राष्ट्रीय खेलों का आज हल्द्वानी में भव्य समापन होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह होंगे मुख्य अतिथि।
- अनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत प्रदेश के सभी निजी स्कूलों में भी दी जाएगी आयरन फोलिक एसिड की गोलियां।
- उत्तराखंड में कल से शुरू हो रहे फायर सीजन को लेकर वन विभाग ने सभी तैयारियां पूरी की।
- देहरादून नगर निगम में विभिन्न सेवाओं को डिजिटाइज़ किया जा रहा है।

राश्ट्रीय खेल

प्रदेश में 28 जनवरी से शुरू हुए 38वें राष्ट्रीय खेलों का आज हल्द्वानी के गौला पार अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में भव्य समापन होगा। मुख्य अतिथि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मेघालय के मुख्यमंत्री, भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पी.टी. ऊषा समेत कई गणमान्य हस्तियां समारोह की शोभा बढ़ाएंगी।

समापन समारोह से पहले हल्द्वानी में भव्य रोड शो होगा, जहां गृहमंत्री अमित शाह छावनी हेलीपैड से स्टेडियम तक सड़क मार्ग से जनता का अभिवादन स्वीकार करेंगे। इसके बाद वे स्टेडियम में राष्ट्रीय खेलों के समापन की औपचारिक घोषणा करेंगे। उत्तराखंड सरकार ने राष्ट्रीय खेलों के लिए 8 जिलों के 11 शहरों में खेल स्थलों का निर्माण और सुधार किया, जहां 35 खेल स्पर्धाएं हुईं। इस आयोजन में 32,000 से अधिक स्वयंसेवकों ने भाग लिया। खेलों के दौरान कई नए राष्ट्रीय और मीट रिकॉर्ड बने। एथलेटिक्स के मुकाबले काफी खास रहे, जहां सिर्फ पांच दिनों में 12 नेशनल गेम्स रिकॉर्ड बने।

इस बार के राष्ट्रीय खेलों को पर्यावरण अनुकूल बनाने पर राज्य सरकार का विशेष जोर रहा। राज्य पक्षी मोनाल को शुभंकर बनाकर जैव विविधता और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया गया। विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में राज्य सरकार ने 2.77 हेक्टेयर में खेल वन स्थापित करने का निर्णय लिया है, जहां 1,600 रुद्राक्ष के पेड़ लगाए जांएगे। वहीं, सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए सभी मेडल ई–कचरे से बनाए गए।

गौरतलब है कि राष्ट्रीय खेलों में कुल एक हजार पांच सौ तेईस मेडल वितरित किये गये। समापन के साथ ही अगली राष्ट्रीय खेलों की मेजबानी मेघालय को सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, मेघालय के मुख्यमंत्री को राष्ट्रीय खेलों का ध्वज सौंपेंगे। राष्ट्रीय खेलों में, उत्तराखंड ने खिलाड़ियों और अधिकारियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ अपनी पारंपरिक मेहमाननवाजी से भी सबका दिल जीत लिया। बेहतरीन आवास, सुव्यवस्थित परिवहन, पौष्टिक भोजन और अत्याधुनिक खेल स्थलों ने इस आयोजन को सफल बनाया। इन खेलों की सफलता से राज्य ने न केवल अपने खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत किया, बल्कि अपनी सांस्कृतिक और पर्यटन संभावनाओं को भी उजागर किया है।

अनीमिया मुक्त भारत

प्रदेश सरकार 'अनीमिया मुक्त भारत' कार्यक्रम के अन्तर्गत आगामी शैक्षणिक सत्र से राज्य के सभी निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों को साप्ताहिक आयरन–फोलिक एसिड की गोलियां वितरित करेगी। इसके लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्वीकृति दे दी है।

वर्तमान में प्रदेश के सभी सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्त शैक्षणिक संस्थानों में साप्ताहिक आयरन–फोलिक एसिड की गोलियां दी जा रही हैं। राज्य में लगभग 50 प्रतिशत बच्चे निजी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत हैं, जो अब तक इस कार्यक्रम से आच्छादित नहीं थे। इसके दृष्टिगत गत वर्ष हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिलों के निजी विद्यालयों में इसे पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया गया। इसकी सफलता के क्रम में आगामी शैक्षणिक सत्र से पूरे प्रदेश के सभी निजी स्कूलों में इस कार्यक्रम को लागू किया जाएगा। इस पहल से कुल 17 लाख से अधिक बच्चों को लाभ मिलेगा और अनीमिया की व्यापकता दर में कमी लाई जा सकेगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य उत्तराखंड की मिशन निदेशक स्वाति भदौरिया ने बताया कि कार्यक्रम के सुचारू क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना तैयार कर ली गई है। साथ ही सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा अधिकारियों और मुख्य शिक्षा अधिकारियों को गोलियों के वितरण, उनके

सेवन–संबंधी प्रशिक्षण और सभी प्रक्रिया की निगरानी से संबंधित दिशा–निर्देश जारी किए गए हैं। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये गए हैं।

समान नागरिक संहिता

प्रदेश में समान नागरिक संहिता– यूसीसी के तहत होने वाले आवेदनों पर कोई भी व्यक्ति, दूसरे व्यक्ति की फर्जी शिकायत दर्ज नहीं करा पाएगा। ऐसा करने पर संबंधित व्यक्ति पर जुर्माना लगाया जा सकता है, जिसकी वसूली भू राजस्व की तर्ज पर की जाएगी। अपर सचिव गृह निवेदिता कुकरेती ने बताया कि समान नागरिक संहिता के तहत होने वाले आवेदनों और पंजीकरणों को हर तरह से विवाद रहित बनाने का प्रयास किया है। इसके तहत यूसीसी में प्रावधान किया गया है। इससे झूठी शिकायतों के आधार पर किसी को परेशान करने वाले लोगों का हतोत्साहित किया जा सकेगा।

वन विभाग तैयारी

उत्तराखंड में कल से फायर सीजन शुरू हो रहा है। इसको लेकर वन विभाग ने सभी तैयारी पूरी कर ली हैं। अपर प्रमुख वन संरक्षक निशांत वर्मा ने बताया की फायर वॉचर का चिन्हिकरण कर लिया गया हैं। इसके साथ ही 1 हजार 200 कर्मचारियों की नई भर्ती की गई है, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जा रहा हैं। उन्होंने बताया कि वनाग्नि पर नियंत्रण के लिए वन विभाग, आपदा प्रबंधन विभाग के आपदा मित्रों की भी मदद लेगा।

नगर निगम देहरादून

देहरादून नगर निगम डिजिटाइजेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है। नगर निगम से जुड़ी विभिन्न सेवाओं को डिजिटाइज किया जा रहा है। इससे अब प्रॉपर्टी टैक्स के बकायेदारों को नगर निगम के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। व्हाट्सएप के माध्यम से रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर बिल भेजे जाएंगे और ऑनलाइन भुगतान की सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी। मेयर सौरभ थपलियाल ने कहा कि इससे लोगों को भुगतान में सहूलियत होगी।

वहीं, नगर आयुक्त नमामि बंसल ने बताया कि एक लाख रुपए से अधिक देनदारी वाले बकाएदारों को व्हाट्सएप के ज़रिये नोटिस भेजे जा रहे हैं। इसके बाद कम धनराशि के बकाएदारों को भी नोटिस भेजने की कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री दौरा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 27 फरवरी को गंगोत्री के शीतकालीन वास मुखवा और हर्षिल के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए हर्षिल–मुखवा को सजाया–संवारा जा रहा है और युद्ध स्तर पर सड़कों व पार्किंग के निर्माण के साथ ही अन्य तैयारियों की जा रही हैं। हर्षिल स्थित सेना के हेलीपैड तक बनाई जा रही सड़क का काम भी अंतिम चरण में है। प्रधानमंत्री हिमालय और हर्षिल घाटी के मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य का अवलोकन कर सकें, इसके लिए मंदिर परिसर में ही व्यू–प्वाइंट बनाया जा रहा है। इस बीच, जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने मंदिर परिसर के निरीक्षण के बाद श्री पांच गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल, सचिव सुरेश सेमवाल व पंडा–पुजारियों के साथ बैठक कर प्रस्तावित कार्यक्रम की रूपरेखा व व्यवस्थाओं को लेकर विचार–विमर्श किया। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित भ्रमण को लेकर मुखवा गांव में उत्साह का माहौल है।